an>

Title: Need to develop the birthplace of Meerabai, Merta in Rajasthan.

श्री हरिओम सिंह राठौड़ (राजसमन्द) : अध्यक्ष जी, मैं शून्य काल में भक्त शिरोमणि एवं कवयित्री मीरा बाई के जन्म स्थान मेड़ता सिटी, जिला - नागौर, राजस्थान के विकास के संदर्भ में बात करने के लिए खड़ा हुआ हूं।

मीरा बाई का जन्म न सिर्फ मारवाड़ के लिए, अपितु मेवाड़, जहां उनका विवाह हुआ था, दोनों प्रांतों के लिए बहुत गौरव का विषय है। इसके साथ-साथ संपूर्ण भारत के लिए यह एक गौरव का विषय है कि हमारे राष्ट्र में ऐसी भक्त कवयित्री का जन्म हुआ है। मेड़ता शहर में राजस्थान सरकार के प्रयासों के माध्यम से मीरा स्मारक के नाम से विकास हुआ है। वहां पर हर वर्ष मीरा समिति के माध्यम से सात दिवसीय 'मीरा महोत्सव' का आयोजन किया जाता है। इस 'मीरा महोत्सव' के कार्यक्रम में वहां के आस-पास के लोग काफी बड़ी संख्या में एकत्रित होते हैं और मीरा बाई के जीवन और उनके दर्शन के बारे में वहां लोगों में चर्चाएं होती हैं। मेड़ता सिटी में मीरा के संदर्भित स्थान, जिनमें मीरा महल, कुण्डल तालाब, मालकोट दुर्ग और चारभुजा मन्दिर, जहां मीरा भक्ति किया करती थीं, इन स्थानों के समुचित विकास की आवश्यकता है। इनके विकास के माध्यम से हम मीरा के जीवन को एक सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने की स्थिति में होंगे। मेड़ता सिटी की जो मीरा महोत्सव समिति है, वह अपने स्तर पर अपना कार्य कर रही है। लेकिन, इन सभी स्थानों को अगर केन्द्र सरकार का सहयोग मिले और इनके विकास की समुचित व्यवस्था हो, तो मीरा के जीवन-दर्शन को और मीरा के जो प्रभाव हैं, उनके माध्यम से हम आज की महिलाओं को भी एक मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान कर सकेंगे, ऐसा मेरा मानना है। इसलिए आपके माध्यम से मैं इसके लिए सरकार से निवेदन करूंगा।

माननीय अध्यक्ष : भक्ति से पुरुषों का भी मार्गदर्शन होगा।

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री सी.आर.चौधरी,

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र, एव

ं कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री हरिओम सिंह राठौड़ द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।